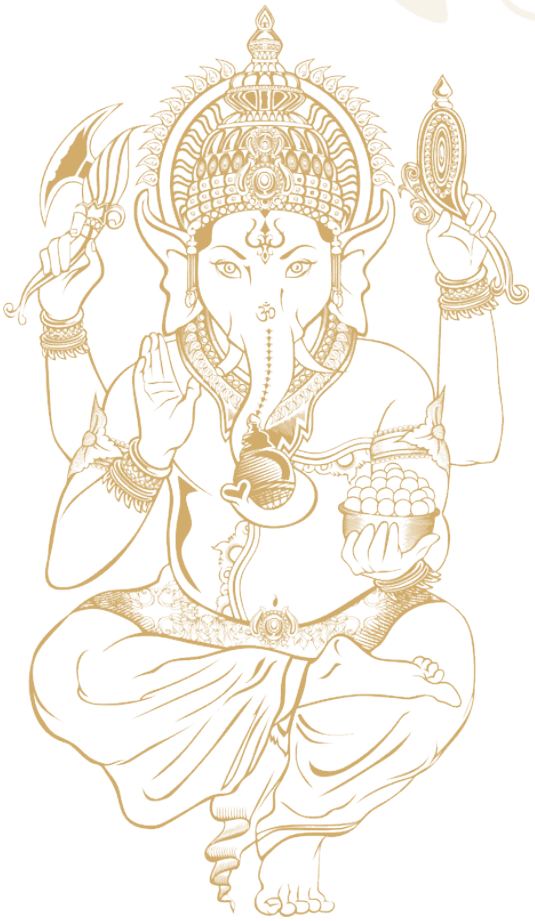

Atharv

28 Jan 2019

09:17 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/01/2019**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:17:00 घंटे**
इष्ट	35:16:27 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:57:48 घंटे
वेलान्तर	-00:12:51 घंटे
साम्पातिक काल	05:28:17 घंटे
सूर्योदय	07:10:25 घंटे
सूर्यास्त	17:54:04 घंटे
दिनमान	10:43:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:18:10 मकर
लग्न के अंश	28:54:45 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:54:45	316:51:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			मक	14:18:10	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	23:42:32	12:59:55	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मीन	24:30:39	00:40:39	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	13:17:20	01:42:06	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	23:03:47	00:10:41	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	28:46:22	01:07:22	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			धनु	20:28:04	00:06:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु			कर्क	02:35:53	00:00:29	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु			मक	02:35:53	00:00:29	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:41:12	00:01:08	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप			कुंभ	20:41:53	00:01:55	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	27:24:04	00:01:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	28:35:43	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:10

लग्न-चलित

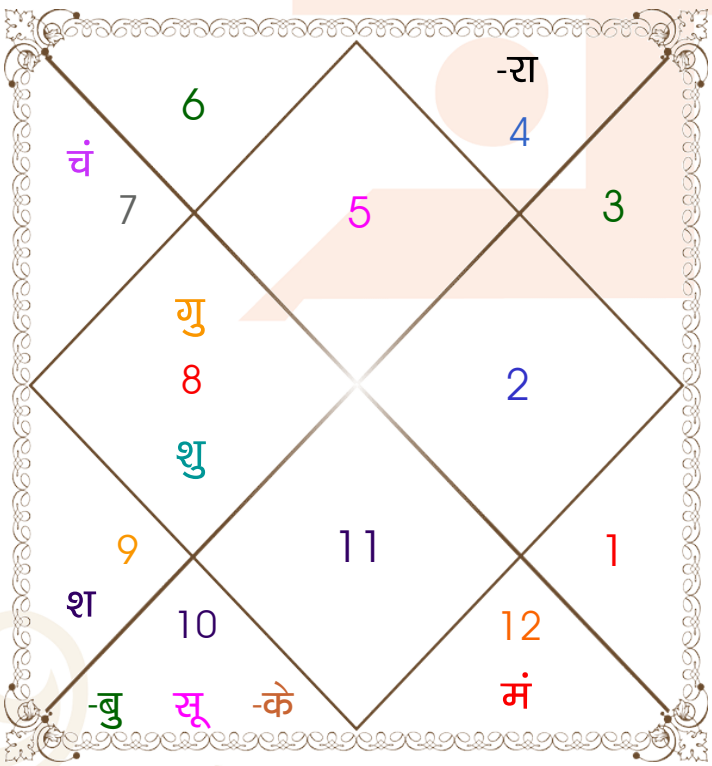

चन्द्र कुंडली

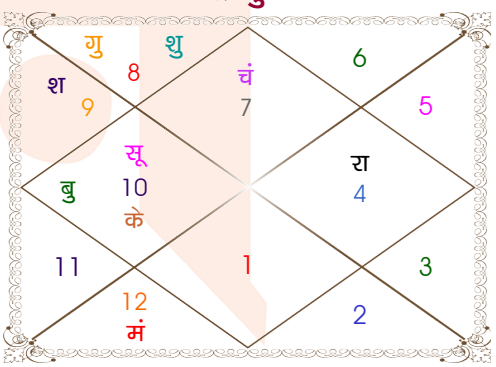

नवमांश कुंडली

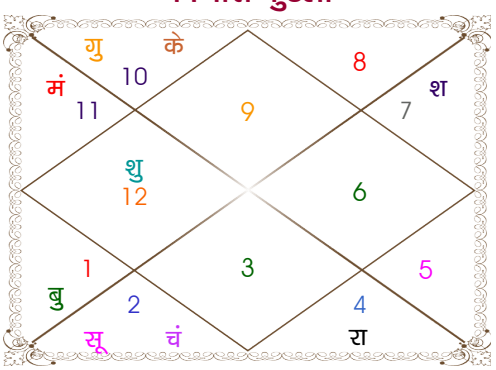

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 6 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/01/2019		17/08/2030		17/08/2049		17/08/2066		17/08/2073	
17/08/2030		17/08/2049		17/08/2066		17/08/2073		17/08/2093	
	28/01/2019	शनि	20/08/2033	बुध	13/01/2052	केतु	13/01/2067	शुक्र	16/12/2076
शनि	17/04/2019	बुध	29/04/2036	केतु	09/01/2053	शुक्र	14/03/2068	सूर्य	16/12/2077
बुध	23/07/2021	केतु	07/06/2037	शुक्र	10/11/2055	सूर्य	20/07/2068	चंद्र	17/08/2079
केतु	29/06/2022	शुक्र	07/08/2040	सूर्य	16/09/2056	चंद्र	18/02/2069	मंगल	16/10/2080
शुक्र	27/02/2025	सूर्य	20/07/2041	चंद्र	15/02/2058	मंगल	17/07/2069	राहु	17/10/2083
सूर्य	16/12/2025	चंद्र	18/02/2043	मंगल	12/02/2059	राहु	05/08/2070	गुरु	17/06/2086
चंद्र	17/04/2027	मंगल	29/03/2044	राहु	01/09/2061	गुरु	11/07/2071	शनि	17/08/2089
मंगल	23/03/2028	राहु	03/02/2047	गुरु	08/12/2063	शनि	19/08/2072	बुध	16/06/2092
राहु	17/08/2030	गुरु	17/08/2049	शनि	17/08/2066	बुध	17/08/2073	केतु	17/08/2093

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/08/2093		17/08/2099		18/08/2109		17/08/2116		18/08/2134	
17/08/2099		18/08/2109		17/08/2116		18/08/2134		00/00/0000	
सूर्य	04/12/2093	चंद्र	17/06/2100	मंगल	14/01/2110	राहु	30/04/2119	गुरु	05/10/2136
चंद्र	05/06/2094	मंगल	16/01/2101	राहु	01/02/2111	गुरु	23/09/2121	शनि	29/01/2139
मंगल	11/10/2094	राहु	18/07/2102	गुरु	08/01/2112	शनि	30/07/2124		00/00/0000
राहु	04/09/2095	गुरु	17/11/2103	शनि	16/02/2113	बुध	16/02/2127		00/00/0000
गुरु	22/06/2096	शनि	18/06/2105	बुध	13/02/2114	केतु	06/03/2128		00/00/0000
शनि	04/06/2097	बुध	17/11/2106	केतु	12/07/2114	शुक्र	07/03/2131		00/00/0000
बुध	11/04/2098	केतु	18/06/2107	शुक्र	11/09/2115	सूर्य	29/01/2132		00/00/0000
केतु	17/08/2098	शुक्र	16/02/2109	सूर्य	17/01/2116	चंद्र	30/07/2133		00/00/0000
शुक्र	17/08/2099	सूर्य	18/08/2109	चंद्र	17/08/2116	मंगल	18/08/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।